AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

रिचा को चांसलर, स्वराज को चक्रवर्ती पदक

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ विवि ने 66वें दीक्षांत समारोह में मुख्य पदक पाने वाले चयनितों की सूची घोषित

लखनऊ। लविवि ने बृहस्पतिवार को दीक्षांत समारोह में मुख्य पदक पाने वाले मेधावियों के नाम घोषित कर दिए। समारोह में विवि का सबसे प्रतिष्ठित चांसलर पदक एमए साइकोलॉजी की छात्रा रिचा सामंत को मिलेगा। वहीं (ग्रेजुएशन) जीएन चक्रवर्ती पदक एलएलबी पांच वर्ष कोर्स के विद्यार्थी स्वराज शुक्ला को दिया जाएगा।

कुलपति पदक के लिए विवि की सेंट्रल एनसीसी कैडेट और बीकॉम की छात्र भाविनी बहुगुणा का चयन किया गया है। विवि का दीक्षांत समारोह छह दिसंबर को प्रस्तावित है। इसमें करीब 53 हजार विद्यार्थियों को उपाधियां दी जाएंगी। समारोह को लेकर सभी तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। समारोह में मुख्य अतिथि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने अभी इसके लिए औपचारिक सहमति नहीं दी है। दीक्षांत समारोह विवि के कला प्रांगण में होगा। इसमें पूर्वी में विवि के छात्र रहे व इस समय जापानीय संस्थानों में सेवा दे रहे छात्र भी शामिल होंगे।

चयनित विद्यार्थियों से खास बातचीत

बनना है असिस्टेंट प्रोफेसर

विवि का सबसे अहम चांसलर पदक रिचा सामंत को दिया जाएगा। उन्होंने भविष्य में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का सपना संजोया है। उन्हें शिक्षक बनने की प्रेरणा विवि के शिक्षकों से ही मिली। वह चाहती हैं कि वह उनके लिए गर्व के पल होंगे कि उन्होंने जहां पढ़ाई की है, वहीं पढ़ाने का भी मौका मिले। रिचा ने नेशनल कॉलेज बीए और लविवि से पीजी की पढ़ाई की है। उनके पिता नरेंद्र सामंत स्पोर्ट्स आइटम की दुकान चलाते हैं और मां आनंदी सामंत गृहिणी हैं। -रिचा सामंत, चांसलर गोल्ड मेडल

सरकारी सेवा में हूं लेकिन पीसीएस अधिकारी बनने का ख्वाब

इसी वर्ष मेरा चयन एनएसबी सीबीएल के जरिए जनाभ्यास विभाग में हो गया है। लेकिन भविष्य में पीसीएस अधिकारी बनना है। मैं मेडिकल कॉलेज से स्नातक और लविवि से परास्नातक में एमएससी की छात्रा रही हूं। पिता विनय कुमार सुपर मुर्गे विभाग में लिपिक हैं, मां शशिलता गृहिणी हैं। मेरी सफलता का श्रेय माता-पिता को जाता है। - शिवी गौतम, चांसलर सिल्वर मेडल

न्यायिक सेवा में जाने का है सपना

पीसीएस-जे में चयनित होकर हर व्यक्ति को न्याय मिले, इसके लिए काम करना चाहता हूं। समाज में उत्कृष्ट सेवा के जौहर चक्रवर्ती पदक के लिए चयन होना गौरव के क्षण हैं। मैंने एमएससी में उत्तम स्वयंसेवी संस्थाओं के लोगों को मदद की है। साथ ही कोरोना की वैक्सीन के लिए लोगों को जागरूक किया। बेरोजगारी को भी रोजगार से जोड़ने का काम किया। पिता विनय शुक्ला शिक्षक हैं, मां राजश्री गृहिणी हैं। -स्वराज शुक्ला, जीएन चक्रवर्ती पदक

सरकारी सेवा में बनाना है कॅरिअर

मुझे सरकारी सेवा में कॅरिअर बनाना है। इसके लिए लखनऊ प्रतियोगी परीक्षाएं दे रहा हूं। शिक्षा के क्षेत्र में मेरी विशेष रुचि है। मैंने स्नातक परास्नातक दोनों लविवि से किया है। पिता मनोज शुक्ला डिफेंस सेवा में हैं, मां गृहिणी हैं। -श्रेयांस शुक्ला, चांसलर सिल्वर मेडल

सेना में बनना है अधिकारी

सेना में अधिकारी बन देशसेवा करनी है। इसके लिए देश की और भी सेटिंगों को प्रेरित करूंगी। मुझे मेरठ एनसीसी कैंटोन्मेंट के तौर पर बहुत्तरीय पदक मिलना में लिए हर्ष की बात है। मैं सीडीएस की तैयारी कर रही हूं। हाल ही में मुझे विवि की और से एनसीसी कैंटोन्मेंट के तौर पर यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के जरिए रूस भेजा गया था। इसमें मैं उत्तर प्रदेश से अकेली थी। इसके लिए मुझे राज्यपाल ने सम्मानित भी किया था। पिता गिरीश चंद्र शुक्ला प्राइवेट नौकरी करते हैं। मां सरकारी कॉलेज में शिक्षक हैं। -भाविनी बहुगुणा, कुलपति पदक

एलंबर की बेटी ने बढ़ाया मान

लखनऊ। दीक्षांत समारोह में चांसलर ब्रांज मेडल के लिए चयनित छात्रा स्नाति ने विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और पढ़ाई जारी रखी। स्नाति ने स्नातक कि पिता रमेश चंद्र सहारा इंडिया कंपनी में एलंबर का काम करते हैं लेकिन वेतन कई महीनों बाद मिलता है। ऐसे में घर चलने में थोड़ी समस्याएं आती हैं। बड़ी बहन प्रमोद नौकरी करती हैं तो उसे पैसा बचाकर घर भी भेजती है। स्नाति पढ़ाई के साथ खुद भी घर्टाटाम नौकरी कर खर्च चलाती है। माधव, डिस्टिंक्ट टेक्नाउलर विभाग में कॅरिअर बनाना चाहती है। वह अपने मेडल का श्रेय पिता व बड़ी बहन को देती है। (संवाद)

यूपीएससी सेवा में जाना लक्ष्य

मुझे यूपीएससी के जरिए सरकारी सेवा में जाकर देश के विकास में योगदान देना है। मेडल के लिए चयनित हुआ हूं। इसके लिए खुश हूं। पिता रवींद्र कुमार अधिवक्ता हैं। मां नीतू सिंह गृहिणी हैं। -अरुण कुमार, चांसलर ब्रांज मेडल

बनना है अफसर बिटिया

मैं बायोकॉमी की निगाही हूं। बीकाम की पढ़ाई की है। आगे यूपीएससी की तैयारी करनी है, इसकी तैयारी चल रही है। अधिकारी बनकर आगे चलकर समाज की सेवा करूंगी। -चेतना शुक्ला, चांसलर सिल्वर मेडल

आईएएस की तैयारी करूंगी

लविवि से बीएससी की है, आईएएस की तैयारी करना चाहती हूं। अधिपावर्थो भी इच्छा है, आगे चलकर इसरो के साथ जुड़कर सेवाएं दे सकूं। -मान्या श्रीवास्तव, चांसलर ब्रांज मेडल

बैंकिंग सेवा में जाना है

लविवि से बीकाम का छात्र रहा। आगे चलकर बैंकिंग की तैयारी करूंगा। इसकी तैयारी शुरू कर दी है। मेडल के लिए लविवि का विशेष आभार प्रकट करता हूं। -प्रियांशु निगम, चांसलर ब्रांज मेडल

फाइनआइर्स में बनाना है कॅरिअर

बायोकॉमी की निगाही हूं। बीकाम किया है। आगे एमएफए का कोर्स करनी ताकि फाइनआर्ट्स में बेहतर काम कर सकूं। रिसर्च व अभिपावार्थो का भी समय-समय पर मार्गदर्शन मिलता रहता है। -मधी गुप्ता, चांसलर ब्रांज

स्थापना दिवस : गुलाबी रोशनी से जगमगाएगा लखनऊ विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। 103वें स्थापना दिवस समारोह में लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षा परिसर गुलाबी रोशनी से जगमाएंगे। 25 नवंबर को होने वाले समारोह को लेकर सभी तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। इसे लेकर बृहस्पतिवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने आयोजन समिति के सदस्यों के साथ बैठक की।

समारोह में मुख्य अतिथि के तौर केंद्रीय उच्च शिक्षा मंत्री अन्नपूर्णा देवी शामिल होंगी। वहीं कार्यक्रम में सात पूर्व छात्रों को सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम में विवि के 103 वर्षों के

आयोजन को लेकर कुलपति ने की समीक्षा बैठक, दिए निर्देश

सफर और पूर्व छात्रों की उपलब्धियों पर एक कॉफी टेबल बुक भी लांच की जाएगी।

कुलपति ने विभिन्न अधिकारियों संग हुई बैठक में पंडाल, साज-सज्जा, खानपान व अन्य तैयारियों को लेकर निर्देश दिए। बैठक में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, प्रो. अरविंद अवस्थी, प्रो. संगीता साहू, प्रो. अवधेश त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

तीन दिवसीय सेमिनार आज से

लखनऊ। जलवायु परिवर्तन के तहत सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैविक विज्ञान में वर्तमान रुझान विषय पर लविवि के वनस्पति विज्ञान विभाग में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार बृहस्पतिवार से शुरू होगा। इस सम्मेलन में किसानी सतत विधियों पर शोध करने एवं पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान खोजने के लिए देश के 12 राज्यों से कृषि और वनस्पति विज्ञानी जुटेंगे। सम्मेलन के आयोजन सचिव विभागाध्यक्ष प्रो. मुन्ना सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड के चेयरमैन डॉ. संजय कुमार करेंगे। वहीं अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय करेंगे। (संवाद)

कैंसर का इलाज संभव : प्रो. स्टीवेन

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित नवीन परिसर में आयोजित औषधि विकास और औषधि खोज पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (सीडी4-2023) का बृहस्पतिवार को समापन हो गया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के ड्रग वैज्ञानिकों ने अपने विचार व्यक्त किए।

दूसरे दिन तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन, अमेरिका के प्रो. स्टीवेन पी. स्व्वेनडेमेन ने कहा कि हाईडेंसिटी लिपोप्रोटीन लिपोसोम्प से कैंसर का निवारण संभव है। उन्होंने पीगैलेटेड माइक्रोस्फीयर इन ड्रग डिलीवरी एंड इट्स फार्मा कोकिनेटिक्स पर व्याख्यान दिया व उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन लिपोसोम्स की ओर से कैंसर का निवारण संभव की जानकारी दी। जॉइंट डायरेक्टर डॉ. नितिन कुमार जैन ने इंडियन बायोसेफ्टी रेगुलेटरी सिस्टम की महत्ता का विवेचन किया। साइंटिस्ट इन नैनो मेडिसिन, डॉ. वीरेंद्र गजभिये ने मल्टीलेयर्ड नैनो कैरियर्स फॉर कैंसर जीन थेरेपी की जानकारी दी। यूनिवर्सिटी ऑफ़ मिशिगन, अमेरिका के प्रो. स्टीवेन पी स्व्वेनडेमेन ने पीगैलेटेड माइक्रोस्फीयर इन ड्रग डिलीवरी एंड इट्स फार्मा कोकिनेटिक्स पर व्याख्यान दिया व उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन लिपोसोम्स की ओर से कैंसर का निवारण संभव की जानकारी दी। जॉइंट डायरेक्टर यूपीसीएसटी लखनऊ की डॉ हुमा मुस्तफा ने इम्युनिटी एंड हाउ वैक्सीन वर्क: क्लोनिंग एंड एक्सप्रेशन ऑफ़ रैबीज विरुलेन्ट वायरस ग्लाइको प्रोटीन जीन पर विचार व्यक्त किये। यूनिवर्सिटी ऑफ़ मिशिगन, अमेरिका से प्रो अन्ना स्व्वेनडेमेन ने लिपोसोम ड्रग डिलीवरी सिस्टम और हाई डेंसिटी लिपोप्रोटींस इन ड्रग डिलीवरी पर व्याख्यान दिया। मिडवेस्टर्न यूनिवर्सिटी एरिज़ोना, अमेरिका से डॉ मेधा जोशी ने एमेलिओरेसन ऑफ़ ड्रग इन इन्डयूज़्ड नेफ्रोटोक्सीसिटी यूजिंग गैनग्लिओसाइड लिपोसोमे इन विट्रो पर प्रकाश डाला। यूनिवर्सिटी ऑफ़ मिशिगन, अमेरिका के प्रो. स्टीवेन पी स्व्वेनडेमेन ने पीगैलेटेड माइक्रोस्फीयर इन ड्रग डिलीवरी एंड इट्स फार्माकोकिनेटिक्स पर व्याख्यान दिया व उपयोगिता पर प्रकाश डाला। आखिर में सेंत जोंस यूनिवर्सिटी, न्यूयोर्क, अमेरिका के डॉ सौरभ अग्रवाल ने द क्वेस्ट टू फाइंड ए क्योर फॉर पीडियाट्रिक न्यूरोब्लास्टोमा की भूमिका का वर्णन किया। चीफ साइंटिस्ट, सीडीआरआई लखनऊ के डॉ एस के रथ ने चैलेंजेज इन डेवलपिंग फाइटो फार्मास्यूटिकल, सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट, सीएसईआर जम्मू के डॉ शशांक कुमार सिंह, मॉडर्न कैंसर थेरेपी का विवरण दिया। विशिष्ट सत्र में यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफोर्निया के डॉ मानष पॉल ने स्टेम सेल की आधुनिक रिसर्च और कैंसर निवारण की ड्रग डिस्कवरी पर प्रकाश डाला। डॉ विनय कुमार गुप्ता, डॉ अजय सचान, डॉ नसीम अहमद सिद्दीकी, शशि मोहन गुप्ता, डॉ हुमा मुस्तफा ने फार्मेसी क्षेत्र में उपलब्धियों के बारे में बताया। युवा शोध कर्ताओं ने शोध को पोस्टर व प्रेजेंटेशन के जरिए पेश किया। समापन समारोह में सर्वोत्तम शोध के लिए सम्मनित किया गया। जिसमें नाइपर, रायबरेली से मंधा जायसन, विनोद कापडे व शिवानी, सीडीआरआई लखनऊ की शौर्या त्रिपाठी, रचना मीना, दिव्या चौहान, कविता मल्होत्रा, सीमैप के अनंत कुमार व दिव्या भट्ट, आईआईटी बीएचयू की संप्रिता दास, आईआईटी मोहाली से अजय कुमार सम्मानित हुए।

लविवि में हुई ड्रग कांफ्रेंस में 13 युवा शोधार्थी सम्मानित

ड्रग डिलीवरी एंड इट्स फार्माकोकिनेटिक्स पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के डॉ. नितिन जैन ने इंडियन बायोसेफ्टी रेगुलेटरी सिस्टम की महत्ता बताई। समापन पर युवा शोधकर्ताओं ने अपने शोध को पोस्टर व प्रजेंटेशन के जरिए प्रस्तुत किया। 13 शोधार्थियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर फार्मास्यूटिकल संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र त्रिपाठी, प्रो. एके सिंह, प्रो. बीडी सिंह और डॉ. हिमांशु पांडेय आदि मौजूद रहे।

NBT PAGE 6

रिचा को मिलेगा कुलाधिपति मेडल

एलयू की ओर से जारी की गई कुलाधिपति व कुलपति मेडल की सूची

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू के दीक्षांत समारोह में इस बार एमए की रिचा सामंत को कुलाधिपति मेडल से नवाजा जाएगा। विवि की ओर से बुधवार को प्रतिष्ठित मेडलों की सूची जारी कर दी है। इसमें रिचा सामंत यूनिवर्सिटी टॉपर बनी है। वहीं एलएलबी के स्वराज शुक्ला को चक्रवर्ती मेडल और बीकॉम की भाविनी बहुगुणा को कुलपति मेडल के लिए चुना गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि दो कुलाधिपति सिल्वर और 10 कुलाधिपति ब्रांज मेडल के लिए भी स्टूडेंट का चयन हो गया है। जिनकी सूची जारी कर दी गई है। जबकि गुरुवार को सभी 196 मेडलों की सूची जारी हो जाएगी।

दीक्षांत को लेकर बैठक : एलयू के मंथन कक्ष में बीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने 25 नवंबर को होने वाले स्थापना दिवस और 6 दिसंबर को होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों के साथ बैठक में कुलाधिपति के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी लेने के साथ ही शोभा यात्रा समेत अन्य कार्यक्रमों को लेकर निर्देश दिए। इस दौरान मेहमानों की सूची पर चर्चा के साथ ही सिटिंग अरेंजमेंट भी समझा।

रिचा सामंत, स्नातक सिटी (कुलाधिपति मेडल)

आगे पीएचडी करना है

चांसलर मेडल मिलना एक सपने जैसा है। इसकी कल्पना नहीं की थी। पिता एक शॉपकीपर हैं। घर में खर्च लेन रहते हैं। दादजी की पेंशन से काफी मदद मिल जाती है। आगे पीएचडी करना है और असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का सपना है। साइकोलॉजी के दौरान शिक्षकों से प्रभावित होकर प्रोफेसर बनने का गोल बनाया। शुरू से पढ़ने का शौक रहा है। नेट की तैयारी कर रही हूं। यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर जो पढ़ाते हैं स्टूडेंट्स उसे ध्यान से सुनें और समझें। खुद से भी कोशिश करना जरूरी है।

भाविनी बहुगुणा, जानकीपुरम, (कुलपति मेडल)

स्मार्ट पढ़ाई करें

आर्मी में जाकर देश की सेवा करना चाहती हूं। एनसीसी के दौरान कुछ से अफसरों से मुलाकात हुई। उनसे प्रभावित होकर आर्मी में जाने का निश्चय किया है। फरवरी में गवर्नर हाउस में हुए कार्यक्रम के दौरान गवर्नर गोल्ड मेडल भी मिला है। सितंबर में यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत रूस भी गई थी। भारत को रिप्रेजेंट करने वाली टीम में यूपी से अकेली थी। उत्तराखंड से संगीता में भी विशारद हूं। स्टूडेंट्स से यही कहना है कि स्मार्ट पढ़ाई करें। क्वालिटी पढ़ाई पर फोकस करें और मन लगाकर पढ़ें।

HINDUSTAN PAGE 6

कुलाधिपति पदक ऋचा को और भाविनी के नाम कुलपति गोल्ड

66वां दीक्षांत

15 मेडल की सूची जारी, कई इनमें से एलयू के प्रतिष्ठिक पदक

10 विद्यार्थी होंगे सम्मानित इस बार चांसलर कांस्य मेडल से दीक्षांत में

लखनऊ, संवाददाता। एलयू ने दीक्षांत समारोह के मद्देनजर प्रतिष्ठित पदकों के लिए नामों का ऐलान कर दिया है। छात्रा ऋचा सामंत को चांसलर, स्वराज शुक्ला को डॉ. चक्रवर्ती और भाविनी बहुगुणा को वाइस चांसलर गोल्ड मेडल के लिए नामित किया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में छह दिंसबर को प्रस्तावित 66वें दीक्षांत समारोह के लिए बुधवार को तीन प्रतिष्ठित पदकों समेत 15 पदकों के नामों की सूची जारी कर दी गई है। इसमें एमए मनोविज्ञान की छात्रा ऋचा सामंत को चांसलर, एलएलबी पांच वर्षीय के छात्र स्वराज शुक्ला को डॉ. चक्रवर्ती और बीकॉम की छात्रा भाविनी बहुगुणा को वाइस चांसलर गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। चांसलर सिल्वर मेडल के लिए एमएससी की छात्रा शिवी गौतम और छात्र श्रेयांश शुक्ला का नाम है। वहीं चांसलर ब्रोंज मेडल के लिए बीएससी के छात्र महादेव, एलएलबी के अरुण, चित्रांगदा गुप्ता, बीकॉम की चेतना, बीए की जूली, बीवीए की माही, बीएससी की मान्या, बीकॉम के प्रियांशू , बीए की सिमरन और बीएफए की स्वाती का नाम है।

छात्रों से बातचीत

शिक्षा के क्षेत्र में संवारना है भविष्य मनोविज्ञान की पढ़ाई का लक्ष्य

मैंने मनोविज्ञान में स्नातक, परास्नातक की पढ़ाई की है। मेरे पिता एनएस सामंत दुकानदार और मां आनंदी सामंत गृहिणी हैं। अभी नेट की तैयारी कर रही हूं। आगे चलकर मनोविज्ञान की शिक्षिका बनाना चाहती हूं। एलयू में मनोविज्ञान विभाग के सभी शिक्षक सर्वश्रेष्ठ हैं। मैं उनके जैसे ही बनना चाहती हूं। मुझे मनोविज्ञान में हर्जबर्ग की थ्योरी पसंद है। मनोविज्ञान के जरिए ही हम खुद को, दूसरों को और आपने आस-पास के लोगों के बारे में जानना का मौका मिलता है।

- ऋचा सामंत (चांसलर गोल्ड मेडल)

लोगों को अपने अधिकारों के लिए लड़ना है सिखाना, यही मेरा मकसद

हमीरपुर जिले के सरस्वती विद्या मंदिर से इंटरमीडिएट किया। एलयू से एलएलबी पांच वर्षीय की पढ़ाई पूरी की है। पिता राजकीय इंटर कॉलेज में हिंदी और संस्कृत के शिक्षक और मां गृहिणी। मेरी सफलता में नाना, पिता व मां का अहम रोल है। नाना से बहुत ज्यादा प्रेरित हूं। आगे चलकर जज बनना चाहता हूं। जिसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है। लोगों को अधिकारों के लिए लड़ना सिखाना है। इस बार में लोगों को जागरूक करना मेरा मकसद है।

- स्वराज शुक्ला (डॉ. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल)

भारतीय थल सेना में बनना चाहती हूं अफसर, संगीत का है खास शौक

अभी एलयू से बीकॉम ऑनर्स की पढ़ाई कर रही हूं। मां जीजीआईसी नरही में शिक्षिका और पिता सहारा इंडिया में कार्यरत हैं। मुझे संगीत का शौक है इसलिए भातखंडे से विषारद में डिग्री हासिल की। अब थल सेना में बतौर अफसर नौकरी करना चाहती हूं। मौजूदा समय में एनसीसी आर्मी विंग जॉइन किया हुआ है। जहां भारतीय सेना से जुड़ी सभी जानकारी दी जाती है। इससे पहले मैंने रशिया में आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में यूपी निदेशालय का प्रतिनिधित्व किया था।

- भाविनी बहुगुणा (वाइस चांसलर गोल्ड मेडल)

i-NEXT PAGE 6

रिचा को चांसलर तो स्वराज को चक्रवर्ती गोल्ड मेडल

लखनऊ विश्वविद्यालय ने चयनित स्टूडेंट्स की सूची जारी की

LUCKNOW (22 Nov): लखनऊ विश्वविद्यालय ने छह दिसंबर को होने वाले 66 वें दीक्षा समारोह में दिए जाने वाले मुख्य पदक के लिए चयनित मेधावियों की सूची बुधवार शाम को जारी कर दी। इनमें कुल 15 मेधावियों का चयन किया गया है। चांसलर गोल्ड मेडल एमए की छात्रा रिचा सामंत को, एल.एल.बी. के छात्र स्वराज शुक्ला को चक्रवर्ती गोल्ड मेडल और बी.काम. आनर्स की छात्रा भाविनी बहुगुणा को बेस्ट एनसीसी कैडेट के लिए वाइस चांसलर गोल्ड मेडल दिया जाएगा।

इन्हें भी मिलेगा पदक

चांसलर सिल्वर मेडल : शिवी गौतम एम.एससी, श्रेयांश शुक्ला एम.एससी

चांसलर ब्रांज मेडल : अमित कुमार, बी.एससी, अरुण कुमार सिंह-एल.एल.बी, चित्रांगदा कश्यप-एल.एलबी, चेतना शुक्ला- बी.काम, अनिल पटेल-बीए, माही गुप्ता-बी.बीए, मान्या श्रीवास्तव-बी.एससी, प्रियांशु निगम-बी.काम, सिमरन कौर-बीए, स्वाति भारती-बी.एफए।

स्थापना दिवस और दीक्षा समारोह की तैयारियों को लिए निर्देश: लविवि के मंथन कक्ष में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 25 नवंबर को स्थापना दिवस समारोह और छह दिसंबर को होने वाले दीक्षा समारोह की तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक हुई। कुलपति ने स्थापना दिवस के लिए संयोजकों से अतिथियों की सूची, उनके बैठने की व्यवस्था आदि पर चर्चा की। मंच का सीटिंग प्लान, साज-सज्जा के लिए भी कुलपति ने निर्देश दिए। दीक्षा समारोह की तैयारी को लेकर संबंधित जिम्मेदारों से जानकारी ली। इसमें शोभायात्रा, मेडल पाने वाले छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों के बैठने की व्यवस्था, दीक्षा समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई।

पहला मेडल मिलने की खुशी

बीएससी 79.8 प्रतिशत और एमएससी मैथ्स 88 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण किया है। यह पहला मेडल है। आगे नेट, जेआरएफ करके असिस्टेंट प्रोफेसर बनना चाहता हूं, पापा मनोज कुमार शुक्ला सरकारी नौकरी में हैं। मम्मी सविता शुक्ला गृहिणी है।

श्रेयांश शुक्ला, चांसलर सिल्वर मेडल

अच्छी लगती है सामाजिक सेवा

डा. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल मिलना बड़ी उपलब्धि है. इस सफलता में पापा विष्णु कुमार शुक्ला, मम्मी राजश्री शुक्ला और नाना रमेश चंद्र मिश्रा ने जीवन के हर मोड़ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. पढ़ाई के दौरान एनएसएस से लेकर, हाईजीन, लीगल एवेयरनेस कैंप और पौधारोपण अभियान चलाया. एडीआर सेल की शुरुआत की, जिसमें बिना कोर्ट जाए लोगों के मामले निस्तारित हो सकें. अब जज बनना है.

स्वराज शुक्ला, चक्रवर्ती गोल्ड मेडल, एलएलबी

आर्मी में जाने के लिए एनसीसी ली

मैं काफी छोटी थी, तब मेरी मौसी ने एनसीसी लिया था. उसके बाद मम्मी ने इसके लिए प्रेरित किया. जब एनसीसी ज्वाइन किया तो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अफसरों से काफी ज्ञान मिला. तय किया कि आर्मी में जाना है. सितंबर में एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत देश के चुने कैडेट्स के साथ रशिया गई थी. इस सफलता का श्रेय मैं अपने परिवार और शिक्षकों को देती हूं, कितना खुश हूं, यह बता नहीं सकती हूं.

रिचा सामंत, चांसलर गोल्ड मेडल, एमए साइकोलाजी

पीसीएस है लक्ष्य

मुझे एमएससी साइंस्की में सर्वाधिक 86.5 प्रतिशत अंक मिले हैं. 12वीं में स्कूल टापर के बाद अब दूसरे गोल्ड मेडल के लिए चयन हुआ है. मई में जनगणना विभाग में साइंस्की अन्वेषक के पद पर चयन हो गया. फिर नौकरी और परीक्षाओं की तैयारी में काफी मेहनत लगी. पीसीएस की तैयारी करनी है. पापा विजय कुमार कृषि विभाग में हैं और मम्मी शशि लता गृहिणी है.

शिवी गौतम, चांसलर सिल्वर मेडल

जन्म दिन पर मिला मेडल का उपहार

मेरे जन्म दिन पर गिफ्ट के रूप में चांसलर गोल्ड मेडल की खुशखबरी उपहार के रूप में मिलना बहुत बड़ी बात है. मैंने बीए में साइकोलाजी विषय इसलिए लिया क्योंकि मुझे इसके बारे में जानना था. फिर एएम में भी यही विषय लिया। शिक्षकों ने बहुत अच्छे से पढ़ाया. हर सेमेस्टर में अपना बेस्ट देखकर प्रथम श्रेणी लाई. आगे नेट करके असिस्टेंट प्रोफेसर बनना है ताकि साइकोलाजी के क्षेत्र में आगे बढ़ सकी. मैं एनसीसी कैडेट भी रही. इस सफलता का श्रेय मैं अपने परिवार और शिक्षकों को देती हूं, कितना खुश हूं, यह बता नहीं सकती हूं.

रिचा सामंत, चांसलर गोल्ड मेडल, एमए साइकोलाजी

वैज्ञानिक सत्र में 13 युवा शोधकर्ता सम्मानित

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में दो दिवसीय औषधि विकास और खोज पर चल रही अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुशल को वैज्ञानिक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 13 युवा शोध कर्ताओं को सर्वोत्तम शोध के लिए सम्मानित किया गया। सम्मेलन में यूनिवर्सिटी आफ विर्गिनिया, अमेरिका के प्रो. अन्ना स्व्वेनडेमेन ने लिपोसोम ड्रग डिलीवरी सिस्टम और हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन इन ड्रग डिलीवरी पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर युवा शोध कर्ताओं में ज्ञान रुपवर्धन से शोध जायसन, विनायक, रायबरेली, मधुर विनोद कापडे, सीडीआरआई से शौर्या त्रिपाठी, दिव्या चौहान, रचना मीना, रवि पकवाणी, एमिटी यूनिवर्सिटी से कविता मल्होत्रा, सीमैप से अनंत कुमार, दिव्या भट्ट, आइआइटी बीएचयू से सर्वाधिक दास, सीएम्स महोत्र कालेज से विश्वदीपक त्रिपाठी, आइएसएमटी मोहाली से अजय कुमार को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने स्वागत किया दिया।

एलयू: आज से तीन दिवसीय सेमिनार शुरू होगा

लखनऊ। एलयू के वनस्पति विज्ञान विभाग में गुरुवार से जलवायु परिवर्तन के तहत सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैविक विज्ञान में वर्तमान रुझान पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरूआत होगी। देश के 12 राज्यों से कृषि और वनस्पति विज्ञानी शामिल होंगे। जो किसानी सतत विधियों पर शोध व पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान खोजेंगे। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को समझना है।

एलयू के नवीन परिसर में बुधवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सीडी4-2023 में 13 युवा शोधकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

एलयू: शोधार्थियों को सम्मानित किया

लखनऊ। एलयू के नवीन परिसर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सीडी 4-2023 में 13 युवा शोधकर्ताओं को सम्मानित किया गया। यह नाइपर, सीडीआरआई, सीमैप व आईआईटी बीएचयू जैसे संस्थानों में शोध कर रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के भैषजिक विज्ञान संस्थान में बुधवार को दो दिवसीय औषधि विकास और औषधि खोज पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (सीडी4-2023) का समापन हुआ। दूसरे दिन 10 साइंटिफिक सेशन का आयोजन किया।

JAGRAN CITY PAGE III

रिचा को चांसलर, स्वराज को डा. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल

लखनऊ विश्वविद्यालय : वाइस चांसलर गोल्ड मेडल के लिए बीकाम की छात्रा भाविनी बहुगुणा चयनित

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने छह दिसंबर को होने वाले 66वें दीक्षा समारोह में दिए जाने वाले मुख्य पदक के लिए चयनित मेधावियों की सूची बुधवार शाम को जारी कर दी। इनमें कुल 15 मेधावियों का चयन किया गया है। चांसलर गोल्ड मेडल एमए की छात्रा रिचा सामंत को, एल.एल.बी. के छात्र स्वराज शुक्ला को चक्रवर्ती गोल्ड मेडल और बी.काम. आनर्स की छात्रा भाविनी बहुगुणा को बेस्ट एनसीसी कैडेट के लिए वाइस चांसलर गोल्ड मेडल दिया जाएगा।

इन्हें भी मिलेगा पदक

चांसलर सिल्वर मेडल : शिवी गौतम एम.एससी, श्रेयांश शुक्ला एम.एससी

चांसलर ब्रांज मेडल : अमित कुमार, बी.एससी, अरुण कुमार सिंह-एल.एल.बी, चित्रांगदा कश्यप-एल.एलबी, चेतना शुक्ला- बी.काम, अनिल पटेल-बीए, माही गुप्ता-बी.बीए, मान्या श्रीवास्तव-बी.एससी, प्रियांशु निगम-बी.काम, सिमरन कौर-बीए, स्वाति भारती-बी.एफए।

स्थापना दिवस और दीक्षा समारोह की तैयारियों को लिए निर्देश: लविवि के मंथन कक्ष में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 25 नवंबर को स्थापना दिवस समारोह और छह दिसंबर को होने वाले दीक्षा समारोह की तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक हुई। कुलपति ने स्थापना दिवस के लिए संयोजकों से अतिथियों की सूची, उनके बैठने की व्यवस्था आदि पर चर्चा की। दीक्षा समारोह की तैयारी को लेकर संबंधित जिम्मेदारों से जानकारी ली। इसमें शोभायात्रा, मेडल पाने